भारत सरकार
वस्त्र मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1596
31 जुलाई, 2026 को जवाब दिया

पुरी के पारंपरिक बुनकरों को सहायता

1596 श्री शुभाशीष खुंटिया:

क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान पुरी के पारंपरिक बुनकर समूहों को प्रदान की गई केंद्रीय सहायता का ब्यौरा क्या है;

(ख) जिले के बुनकरों के लिए किफायती दरों पर कच्चे सूत की उपलब्धता, बाजार तक पहुंच और डिजिटल विपणन सहायता सुनिश्चित करने हेतु किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है;

(ग) पुरी के पारंपरिक बुनकरों के लिए स्थापित किए गए सामान्य सुविधा केंद्रों, अभिकल्पन, कौशल विकास और ई-कॉमर्स संबंधी पहलों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या पारंपरिक बुनकरों की आजीविका और प्रतिस्पर्धात्मकता को सुदृढ़ करने के लिए कोई अतिरिक्त उपाय प्रस्तावित हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके कारण क्या हैं?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क) से (ग): वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार ओडिशा राज्य सहित पूरे देश में पारंपरिक बुनकरों के विकास के लिए निम्नलिखित योजनाएं कार्यान्वित कर रहा है:

1. राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम
2. कच्चा माल आपूर्ति योजना

उपर्युक्त योजनाओं के तहत, पात्र हथकरघा एजेंसियों/बुनकरों को कच्चा माल, उन्नत करघे और सहायक उपकरण की खरीद, सोलर लाइटिंग यूनिट, वर्कशेड के निर्माण, कौशल, उत्पाद और डिज़ाइन विकास, तकनीकी और सामान्य अवसंरचना, घरेलू/विदेशी बाज़ारों में हथकरघा उत्पादों की मार्केटिंग, बुनकर मुद्रा योजना के तहत रियायती ऋण, छात्रवृत्ति और सामाजिक सुरक्षा आदि के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

पिछले 5 वर्षों के दौरान ओडिशा राज्य में पारंपरिक बुनकरों को प्रदान की गई केंद्रीय सहायता का ब्यौरा इस प्रकार है:-

(i) क्लस्टर विकास कार्यक्रम के तहत 1796 बुनकरों को लाभान्वित करते हुए बेहतर करघे/सहायक उपकरण, वर्कशेड और लाइटिंग यूनिट्स प्रदान करके 05 हथकरघा क्लस्टरों और सहायता प्राप्त क्लस्टरों के अलावा अन्य क्षेत्रों हेतु विभिन्न इंटरवेंशन्स के लिए 5.28 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई। साथ ही,1251 हथकरघा कामगारों को कौशल उन्नयन प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

(ii) कच्चा माल आपूर्ति योजना (आरएमएसएस) के तहत, परिवहन सब्सिडी और मूल्य सब्सिडी के तहत 30,386 हथकरघा बुनकरों को लाभान्वित करते हुए 21.48 लाख किलोग्राम यार्न की आपूर्ति की गई।

(iii) हथकरघा मार्केटिंग सहायता के तहत, हथकरघा उत्पादों हेतु बिक्री की सुविधा प्रदान करने और उसे बढ़ावा देने के लिए 22 मार्केटिंग कार्यक्रम आयोजित किए गए।

(घ): उत्पादकता और मार्केटिंग क्षमताओं को बढ़ाने और बेहतर आय सुनिश्चित करने हेतु पारंपरिक हथकरघा बुनकरों की आजीविका और प्रतिस्पर्धात्मकता को सुदृढ़ बनाने के क्रम में, ओडिशा राज्य में 10 हथकरघा उत्पादक कंपनियों का गठन किया गया है। इसके अलावा, हथकरघा उत्पादों की ऑनलाइन मार्केटिंग के माध्यम से हथकरघा क्षेत्र को सहायता प्रदान करने हेतु एक ई-कॉमर्स पोर्टल (https://www.indiahandmade.com/) भी लॉन्च किया गया है। अब तक, ओडिशा राज्य से 1083 उत्पादों सहित 68 विक्रेताओं को पोर्टल पर ऑनबोर्ड किया गया है।

*****